



26 Feb 2026

12:19 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121405505

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 26/02/2026
दिन _____: गुरुवार
जन्म समय _____: 12:19:00 घंटे
इष्ट _____: 13:43:08 घटी
स्थान _____: Delhi
देश _____: India

अक्षांश _____: 28:39:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 11:57:52 घंटे
वेलान्तर _____: -00:12:54 घंटे
साम्पातिक काल _____: 22:22:25 घंटे
सूर्योदय _____: 06:49:44 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:18:44 घंटे
दिनमान _____: 11:29:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: वसन्त
सूर्य के अंश _____: 13:27:14 कुम्भ
लग्न के अंश _____: 25:42:45 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: वृष - शुक्र
राशि-स्वामी _____: मिथुन - बुध
नक्षत्र-चरण _____: आर्द्रा - 1
नक्षत्र स्वामी _____: राहु
योग _____: प्रीति
करण _____: तैतिल
गण _____: मनुष्य
योनि _____: श्वान
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: शूद्र
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मार्जार
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: वायु
जन्म नामाक्षर _____: कू-कुणाल
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मीन

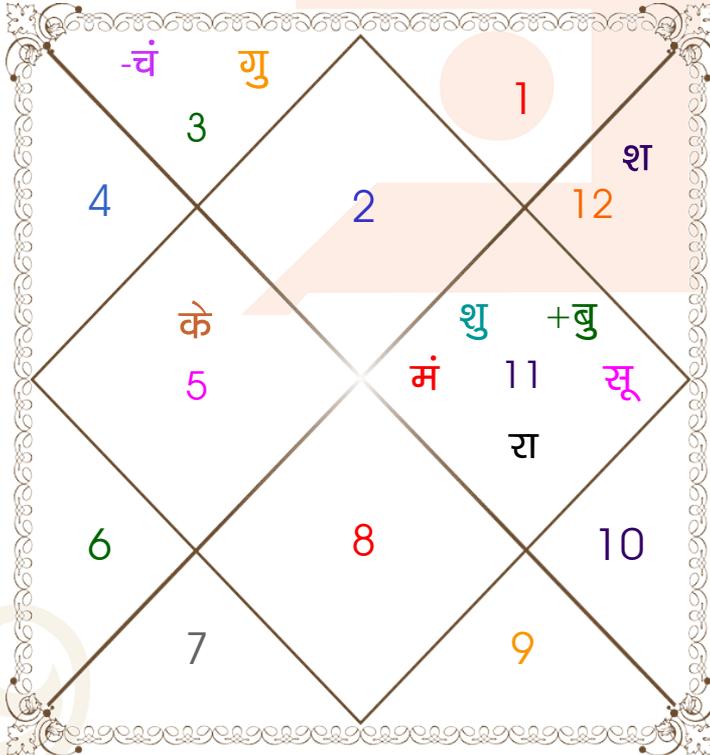
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	25:42:45	348:53:51	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	---
सूर्य			कुंभ	13:27:14	01:00:19	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	06:44:33	14:10:31	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
मंगल	अ		कुंभ	02:22:46	00:47:17	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	सम राशि
बुध	व		कुंभ	28:20:27	00:00:01	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:07:59	00:02:31	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	25:36:11	01:14:52	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
शनि			मीन	07:10:40	00:07:04	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु			कुंभ	14:45:17	00:00:09	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:45:17	00:00:09	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:27:08	00:01:10	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:43:21	00:02:07	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:14:04	00:01:40	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	09:28:22	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	गुरु	--

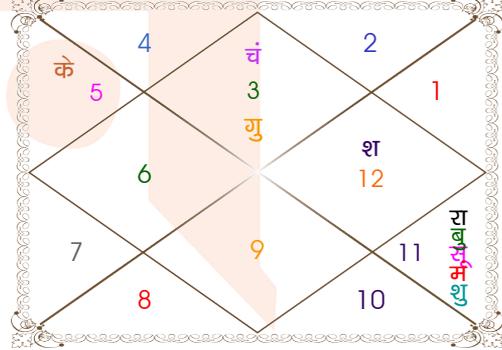
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:28

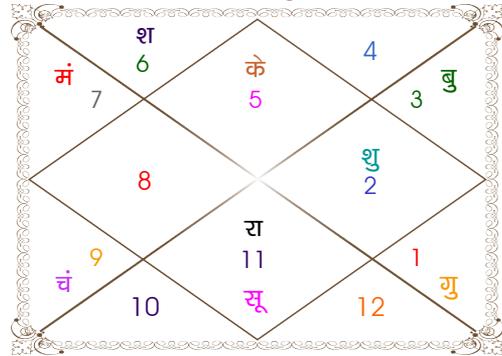
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 17 वर्ष 10 मास 23 दिन

राहु 18 वर्ष 26/02/2026 20/01/2044	गुरु 16 वर्ष 20/01/2044 20/01/2060	शनि 19 वर्ष 20/01/2060 20/01/2079	बुध 17 वर्ष 20/01/2079 20/01/2096	केतु 7 वर्ष 20/01/2096 21/01/2103
राहु 02/10/2028	गुरु 09/03/2046	शनि 23/01/2063	बुध 18/06/2081	केतु 17/06/2096
गुरु 25/02/2031	शनि 20/09/2048	बुध 02/10/2065	केतु 15/06/2082	शुक्र 17/08/2097
शनि 01/01/2034	बुध 27/12/2050	केतु 11/11/2066	शुक्र 15/04/2085	सूर्य 23/12/2097
बुध 21/07/2036	केतु 02/12/2051	शुक्र 11/01/2070	सूर्य 19/02/2086	चंद्र 24/07/2098
केतु 08/08/2037	शुक्र 02/08/2054	सूर्य 24/12/2070	चंद्र 22/07/2087	मंगल 20/12/2098
शुक्र 08/08/2040	सूर्य 22/05/2055	चंद्र 24/07/2072	मंगल 18/07/2088	राहु 08/01/2100
सूर्य 03/07/2041	चंद्र 20/09/2056	मंगल 02/09/2073	राहु 04/02/2091	गुरु 15/12/2100
चंद्र 02/01/2043	मंगल 27/08/2057	राहु 09/07/2076	गुरु 12/05/2093	शनि 24/01/2102
मंगल 20/01/2044	राहु 20/01/2060	गुरु 20/01/2079	शनि 20/01/2096	बुध 21/01/2103

शुक्र 20 वर्ष 21/01/2103 21/01/2123	सूर्य 6 वर्ष 21/01/2123 20/01/2129	चंद्र 10 वर्ष 20/01/2129 21/01/2139	मंगल 7 वर्ष 21/01/2139 21/01/2146	राहु 18 वर्ष 21/01/2146 00/00/0000
शुक्र 22/05/2106	सूर्य 10/05/2123	चंद्र 21/11/2129	मंगल 19/06/2139	राहु 27/02/2146
सूर्य 23/05/2107	चंद्र 09/11/2123	मंगल 22/06/2130	राहु 07/07/2140	00/00/0000
चंद्र 20/01/2109	मंगल 16/03/2124	राहु 22/12/2131	गुरु 12/06/2141	00/00/0000
मंगल 23/03/2110	राहु 08/02/2125	गुरु 22/04/2133	शनि 22/07/2142	00/00/0000
राहु 22/03/2113	गुरु 27/11/2125	शनि 21/11/2134	बुध 20/07/2143	00/00/0000
गुरु 21/11/2115	शनि 09/11/2126	बुध 21/04/2136	केतु 16/12/2143	00/00/0000
शनि 21/01/2119	बुध 15/09/2127	केतु 21/11/2136	शुक्र 14/02/2145	00/00/0000
बुध 21/11/2121	केतु 21/01/2128	शुक्र 22/07/2138	सूर्य 22/06/2145	00/00/0000
केतु 21/01/2123	शुक्र 20/01/2129	सूर्य 21/01/2139	चंद्र 21/01/2146	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 17 वर्ष 10 मा 23 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा।

वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नहीं है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगे। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगे। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगे।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यरंभ करेंगे। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृत्ति के प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगे। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नहीं करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहते हैं ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद के सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शारीरिक से सशक्त हैं। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करता है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाते हैं। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगों की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाते हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहते हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं। आपकी पत्नी अच्छी है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहती है। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करते रहोगे।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहते हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती

है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। हर दृष्टिकोण से यह संभव है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकते हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरुवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

